दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार 26 फरवरी 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 149

अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का बड़ा एक्शन, 4 भारतीय कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरान को कमजोर करने के लिए उसके पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज से जुड़ी 16 कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं। इस लिस्ट में 4 भारतीय कंपनियां भी शामिल हैं। यह कदम अमेरिकी प्रशासन के ईरान पर प्रतिबंधों को और कड़ा करने के अभियान का हिस्सा है। जिन भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं उनमें ऑस्टिनशिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड,बीएसएम मरीन एलएलपी,कॉसमॉस लाइन्स इंक और फ्लक्स मैरीटाइम एलएलपी शामिल है। बता दें कि भारत की ओर से अब तक इस प्रतिबंध पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि इन कंपनियों को ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज से जुड़े व्यापारिक संबंधों के लिए प्रतिबंधित किया जा रहा है। बयान में कहा गया कि अमेरिका इस अवैध शिपिंग नेटवर्क को बाधित करेगा, जो एशिया में खरीदारों को ईरानी तेल बेचने के लिए काम करता है। बयान में यह भी बताया गया कि यह नेटवर्क सैकड़ों मिलियन डॉलर के कच्चे तेल के कई बैरल को अवैध शिपिंग के जरिए बेचने की कोशिश कर रहा था। यह कदम राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल से शुरू हुई ईरान पर दबाव डालने की नीति का हिस्सा है, जो तेल राजस्व के जरिए ईरान के आतंकवाद को आर्थिक रूप से कमजोर करने के प्रयासों के मद्देनजर लिया गया है।

ऑस्ट्रेलिया : मेलबर्न में चाकू से हमला करने के आरोप में चार युवक गिरफ्तार

सिडनी। मेलबर्न के उत्तरी इलाके में तीन युवक पर चाकू से हमला किया गया। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस इस मामले में चार किशोरों को गिरफ्तार कर चुकी है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, पुलिस ने मंगलवार को बताया कि सोमवार को शाम करीब 7:30 बजे ब्रॉडमेडोज़ (जो मध्य मेलबर्न से 15 किमी उत्तर है) के एक इलाके में एक रिटेल स्टोर की पार्किंग में झगड़ा हुआ और चाकू से हमला किया गया। घटनास्थल पर मौजूद पुलिस ने 40 और 18 साल के दो लोगों घायल अवस्था में पाया। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी हालत गंभीर थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने घटनास्थल से कुछ किशोरों को भागते हुए देखा। पुलिस की एयर ब्रांच को उस इलाके में भेजा गया, और उन्होंने समूह को एक घर में प्रवेश करते हुए देखा। जासूसों और महत्वपूर्ण घटना प्रतिक्रिया टीम के सदस्यों ने मौके पर पहुंचकर तीन 19 साल के और एक 18 साल के युवक को गिरफ्तार कर लिया, सभी युवक थे। समूह का पांचवां सदस्य, जो 14 साल का था। वो भी लड़ाई में घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी जान को कोई खतरा नहीं है। पुलिस ने कहा कि वे घटना के बारे में उससे पूछताछ करने की उम्मीद कर रहे हैं।

बांग्लादेश में बढ़ रही अपराध दर, सवालों के घेरे में यूनुस सरकार

ढाका। बांग्लादेश में अपराध दर खतरनाक दर से बढ़ रही है। पुलिस के आंकड़ों से पता चलता है कि जनवरी में हत्या, अपहरण, डकैती, सेंधमारी और चोरी के मामलों में देश भर में वृद्धि देखी गई और आंकड़े पिछले छह वर्षों की तुलना में सबसे खराब है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, यह आंकड़े अंतरिम सरकार के गृह मामलों के सलाहकार जहाँगीर आलम चौधरी के इस दावे के बिल्कुल विपरीत है कि बांग्लादेश में कानून और व्यवस्था की स्थिति संतोषजनक है। पुलिस मुख्यालय के आंकड़ों से पता चलता है कि इस साल जनवरी में अलग-अलग पुलिस थानों में कम से कम 294 हत्या के मामले दर्ज किए गए। देश के प्रमुख अख़बार द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले छह वर्षों के मासिक अपराध आकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि जनवरी 2025 में एक महीने में सबसे ज्यादा लूटपाट और डकैती की घटनाएं हुईं, जिसमें 242 घटनाएं दर्ज की गईं। पुलिस के आंकड़े यह भी बताते हैं कि पिछले साल दिसंबर और नवंबर में लूटपाट, डकैती, अपहरण की घटनाओं में भी पिछले पांच सालों में इन्हीं महीनों की तुलना में वृद्धि देखी गई। सरकार के इस दावे की आलोचना करते हुए कि कानून और व्यवस्था सामान्य है, बांग्लादेश में अपराध विज्ञान के एक प्रोफेसर ने सवाल किया, क्या ये अपराध, जो जनता में डर पैदा कर रहे हैं, वास्तव में संतुष्टि का संकेत हैं?

महाशिवरात्रि पर काशी विश्वनाथ मंदिर में वीआईपी दर्शन बंद, भोलेनाथ के भक्तों के लिए विशेष नियम लागू

वाराणसी । आरएनएस

काशी विश्वनाथ मंदिर में 25 से 27 फरवरी तक वीआईपी दर्शन की सुविधा नहीं मिलेगी। मंदिर प्रशासन ने महाशिवरात्रि पर भक्तों की भारी भीड़ की आशंका के चलते ये फैसला लिया है। काशी विश्वनाथ ट्रस्ट ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर दी। लिखा, महाशिवरात्रि पर मंगलवार से तीन दिनों तक प्रोटोकॉल दर्शन व्यवस्था पर पूरी तरह से रोक रहेगी। मंदिर न्यास के अधिकारियों ने महाशिवरात्रि के लिए बनाई गई व्यवस्था में सहयोग की काशीवासियों से अपील की है। काशीवासियों ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर न्यास की व्यवस्था में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है।

दरअसल, पारंपरिक रूप से पर्व या किसी विशेष तिथि पर काशी विश्वनाथ धाम में पांच से छह लाख श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते थे, लेकिन महाकुंभ शुरू होने के बाद से प्रतिदिन सात लाख या उससे अधिक भक्त मंदिर में दर्शन करने आते हैं। इस अवसर पर 26 फरवरी को श्रद्धालुओं की संख्या 14 से 15 लाख के बीच हो सकती है, जिससे भीड़ प्रबंधन में कई चुनौतियां उत्पन्न हो सकती हैं।

मंदिर प्रशासन ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विशेष तैयारियां शुरू कर दी हैं। मंदिर प्रशासन ने भक्तों से अपील की है कि वे अपनी सुविधानुसार समय लेकर दर्शन करें, क्योंकि कतार में विलंब हो सकता है। साथ ही, सलाह दी गई है कि पेन, कंघा, मोबाइल, बेल्ट, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, चाबी आदि सामान घर या होटल में छोड़कर आएं ताकि सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की अड़चन न आए।

महाशिवरात्रि के दिन, भक्तों को

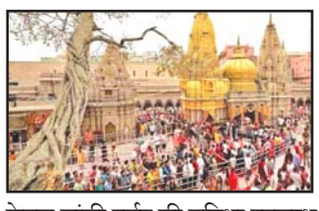

केवल झांकी दर्शन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी और मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। सुरक्षा प्रबंध में कड़ी इंतजाम किए गए हैं जिससे किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

विशेष व्यवस्था के तहत वृद्धजनों और दिव्यांगों के लिए व्हीलचेयर की सुविधा रखी गई है। गोदौलिया और मैदागिन से गोल्फ कार्ट या ई-रिक्शा द्वारा भी भक्त बाबा दरबार तक पहुंच सकते हैं। इसके अलावा, मंदिर के कर्मचारियों की सहायता से वृद्धजनों का जल्दी दर्शन कराकर उन्हें धाम क्षेत्र से बाहर निकालने का भी प्रबंध किया गया है।

महाशिवरात्रि स्नान पर्व के लिए मेला क्षेत्र और प्रयागराज शहर में नो-व्हीकल जोन प्लान लागू

महाकुंभ नगर । आरएनएस

प्रयागराज की पावन धरती पर चल रहे महाकुंभ 2025 का समापन अब बेहद करीब है। भक्ति, आस्था और श्रद्धा के इस महासंगम को व्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के लिए मेला पुलिस प्रबंधन ने विशेष दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व में भीड़ प्रबंधन को लेकर 25 फरवरी से मेला क्षेत्र और प्रयागराज में नो-व्हीकल जोन लागू कर दिया गया है, ताकि श्रद्धालुओं को स्नान और दर्शन का अवसर निर्बाध रूप से मिल सके। मेला पुलिस के अनुसार 25 फरवरी 2025 को मेला क्षेत्र को अपराह्न 4:00 बजे से नो-व्हीकल जोन घोषित किया गया है, जबकि प्रयागराज कमिश्नरेट को सायंकाल 6:00 बजे से नो-व्हीकल जोन बनाया जाएगा। सभी नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे इस व्यवस्था का सम्मान करते हुए पूरा सहयोग करें। भीड़ प्रबंधन को सुचारू रखने के लिए सभी श्रद्धालुओं से निवेदन किया गया है कि वे अपने प्रवेश के सबसे निकटस्थ घाट पर ही स्नान करें, ताकि सभी को सुगमता और सुरक्षा मिल सके।

दक्षिणी झूसी : यहां से आने वाले श्रद्धालु संगम द्वार ऐरावत घाट पर स्नान कर सकेंगे।

उत्तरी झूसी : यहां से आने वाले श्रद्धालु संगम हरिश्चंद्र घाट और संगम ओल्ड जीटी घाट पर स्नान करेंगे।

परेड से आने वाले श्रद्धालु संगम द्वार भारद्वाज घाट, संगम द्वार नागवासुकि घाट, संगम द्वार मोरी घाट, संगम द्वार कालीघाट, संगम द्वार रामघाट, संगम द्वार हनुमान घाट पर स्नान करेंगे। अरैल से आने वाले श्रद्धालु संगम द्वार अरैल घाट पर स्नान करेंगे। दूध, सब्जी, दवाइयां, पेट्रोल/डीजल, एम्बुलेंस जैसी आवश्यक सामग्रियों की गाडिय़ों और सरकारी कर्मचारियों (डॉक्टर, पुलिस, प्रशासन) के वाहनों पर कोई रोक-टोक नहीं होगी। ये सभी अपने कार्य निर्बाध रूप से कर सकेंगे। 26 फरवरी 2025 को महाकुंभ पर्व का समापन महाशिवरात्रि के साथ होगा। श्रद्धालुओं से अनुरोध किया गया है कि वे शीघ्रता से निकटस्थ घाट पर स्नान और शिवालय में दर्शन कर अपने गंतव्य को प्रस्थान करें। दिशा निर्देशों में ये भी बताया गया है कि सभी पांटून पुलों का संचालन भीड़ के दबाव के अनुसार किया जाएगा। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि सभी घाटों को संगम के समान मान्यता प्राप्त है, इसलिए श्रद्धालु निकटस्थ घाट पर स्नान कर यातायात और भीड़ प्रबंधन में सहयोग करें।

दिल्ली विधानसभा में हंगामे के बीच आतिशी समेत 21 आप विधायक 2 दिन के लिए निलंबित

नईदिल्ली । आरएनएस

दिल्ली विधानसभा का सत्र मंगलवार को शुरू हुआ। इसमें दिनभर हंगामा देखने को मिला। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की दिल्ली में शराब की आपूर्ति एवं विनियमन पर निष्पादन लेखापरीक्षा रिपोर्ट पेश की। इस पर आम आदमी पार्टी (आप) विधायकों ने जमकर हंगामा किया। ऐसे में विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी सहित 21 आप विधायकों को 2 दिन के लिए निलंबित कर दिया।

विधानसभा अध्यक्ष गुप्ता ने 21 आप विधायकों को 2 दिन के लिए निलंबित करने के साथ सदन के सत्र को भी 2 दिन के लिए आगे बढ़ा दिया। ऐसे में अब सदन की कार्रवाई 1 मार्च को शुरू होगी।

इससे पहले सुबह सत्र की शुरुआत होने के साथ ही आप विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया था।

उन्होंने उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के अभिभाषण में भी व्यवधान डालने का प्रयास किया। इसके बाद 8 विधायकों को निलंबित किया गया था।

कैग रिपोर्ट में बताया गया कि पूर्ववर्ती आप सरकार की नई शराब नीति से दिल्ली सरकार के राजस्व को 2,002 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

2017-18 से लेकर 2020-21 तक की कैग रिपोर्ट में पता चला कि सरेंडर किए गए लाइसेंसों के लिए फिर से टेंडर जारी करने में सरकार को 890 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

कार्रवाई में देरी के कारण जोनल लाइसेंसधारियों को मिली छूट के कारण 941 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

60 घंटे से सुरंग में ही फंसे आठ लोग, अब रैट माइनर्स की मदद से टनल से निकाले जाएंगे; स्पेशल टीम भी पहुंची

हैदराबाद । आरएनएस

भारतीय सेना, एनडीआरएफ और अन्य एजेंसियों के काफी प्रयासों के बाद भी तेलंगाना के नगरकुरनूल जिले के श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) परियोजना की निर्माणाधीन सुरंग में छत का एक हिस्सा ढह जाने से 14 किमी अंदर फंसे आठ लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने में 60 घंटे के बाद भी कोई सफलता नहीं मिल पाई है।

वर्ष 2023 में उत्तराखंड के सिल्कयारा बेंड-बरकोट सुरंग में फंसे निर्माण श्रमिकों को बचाने वाले खनिकों (रैट माइनर्स) की एक टीम भी इन आठ लोगों को निकालने के लिए एनडीआरएफ, सेना और अन्य के साथ बचाव कार्य में शामिल हो गई है। बचाव अभियान के लिए सोमवार को एंडोस्कोपिक और रोबोटिक कैमरे सुरंग में लाए गए। इस अभियान में सहायता के लिए एनडीआरएफ डॉग स्क्वायड को भी तैनात किया गया है। उधर, इस दुर्घटना में जीवित बचे कर्मचारियों को अपने सहकर्मियों की सुरक्षित वापसी की उम्मीद है।

सिल्कयारा सुरंग में फंसे श्रमिकों को अवसाद व नींद की समस्या हो रही है। बता दें, नवंबर 2023 में उत्तराखंड की सिल्कयारा सुरंग में फंसने के बाद बचकर निकले एक तिहाई श्रमिकों की जांच करने पर पता चला कि उन्हें मानसिक स्वास्थ्य और नींद संबंधी समस्याएं हुई थी। शोधकर्ताओं ने 33 श्रमिकों से उनकी दैनिक दिनचर्या, चिंताओं, नींद के बारे में पूछा तो पता चला है कि उनमें से लगभग एक तिहाई को समय संबंधी भ्रम का सामना करना पड़ा जिसके कारण उन्हें नींद और मानसिक अवसाद संबंधी समस्याएं हुई।

तेलंगाना में टनल में फंसे झारखंड के गुमला के चार श्रमिकों के परिवारों से एक-एक सदस्य सोमवार को विमान से वहां पहुंच गए। जानकारी के मुताबिक, कार्यदायी संस्था जयप्रकाश एसोसिएट्स एलटीएस ने टनल में फंसे मजदूरों के स्वजन को तेलंगाना बुलाया था। मुख्यमंत्री के निर्देश पर गुमला के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने मजदूरों के एक-एक स्वजन को विमान से तेलंगाना भेजने की व्यवस्था कराई।

हाईवे पर खड़ी कार से टकराई सफारी : तीन की मौत, आधा दर्जन घायल

चित्रकूट । आरएनएस

अतर्रा क्षेत्र के एक्सप्रेस वे पर हुए हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि तीन घायलों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना से परिजनों में शोक छा गया।

राजस्थान के नागौर जिले के थाना जसनगर क्षेत्र के मेहरता गांव निवासी हनुमान चौधरी (30) ने बताया कि वह गांव निवासी धर्मेंद्र कुमार (25), राकेश शर्मा (28), राकेश सोनी (22), रामकिशुन उर्फ रज्जू (36), हिंगलाज चारण (40) के साथ अर्टिगा कार से प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करने जा रहे थे। अतर्रा थाना क्षेत्र के एक्सप्रेस वे पर 16.3 किलोमीटर के संकेतक और ओरन कस्बे के पास पहुंचे तो राजेश सोनी को उल्टी होने लगी तो कार से उतरकर नीचे गए थे। तभी पीछे से आ रही अनियंत्रित टाटा सफारी कुचलते हुए कार में टक्कर मार दी। जिससे सभी लोग घायल हो गए। कुछ देर बाद पहुंची पुलिस सभी को लेकर सीएचसी शिवरामपुर पहुंची। जहां राकेश सोनी, राकेश शर्मा व हिंगलाज को मृत घोषित कर दिया गया और तीन को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं सफारी में मध्य प्रदेश निवासी अशोक कुमार, दिनेश सोनी, कुसुम, पुष्पा व शोभा सवार थे। वह प्रयागराज की ओर जा रहे थे। उस कार में सवार भी घायल हुए हैं। हनुमान ने बताया कि राकेश शर्मा गांव में ही क्लीनिक खोले था। उसकी कार को हिंगलाज चला रहा था। राजेश सोनी की ज्वेलर्स की दुकान है।

उन्नाव : आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर भीषण सड़क हादसा, पिता और बेटा-बेटी की मौत

उन्नाव (आरएनएस)। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर मंगलवार सुबह भीषण सडक़ हादसा हुआ। यहां बस और कार के बीच हुई टक्कर में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे के बांगरमऊ में माइलस्टोन 229 के पास हुआ। बताया जा रहा है कि महाकुंभ से लौट रही श्रद्धालुओं से भरी बस की एक कार से आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि कार सवार मासूम भाई-बहन समेत पिता की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है। इसके अलावा ट्रैवलर बस सवार करीब 26 श्रद्धालु भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पता चला है कि मृतक व्यक्ति सचिवालय में दीवान के पद पर कार्यरत था। कार सवार परिवार लखनऊ से कन्नौज जा रहा था, तभी उसकी कार डिवाइडर से टकराकर अनियंत्रित होकर विपरीत दिशा से आ रही बस से टकरा गई थी। इसी दौरान सामने से आ रही ट्रैवलर बस की कार से टक्कर हो गई। वहीं, घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। इसके साथ ही घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

हाथियों के हमले में तीन लोगों की मौत, सुबह-सुबह जंगल के रास्ते जा रहे थे मंदिर

अन्नामय्या । आरएनएस

आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या जिले में मंगलवार तडक़े हाथियों के हमले में तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए. घायलों में से एक की हालत गंभीर बतायी जा रही है. पुलिस ने मृतक श्रद्धालुओं के शव बरामद कर लिए हैं, जबकि हमले से बचने में सफल रहे श्रद्धालुओं को वापस घर भेज दिया गया है. सीएम चंद्रबाबू नायडू ने श्रद्धालुओं की मौत पर दुख जताते हुए अधिकारियों को पीडि़तों को बेहतर इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं.

मंगलवार की सुबह करीब 2:30 बजे करीब 30 श्रद्धालु तालाकोना मंदिर जा रहे थे. तभी हाथियों के एक समूह ने हमला कर दिया. बताया जा रहा है कि हमला करने वाले झुंड में करीब 15 हाथी शामिल थे. हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए. पुलिस के अनुसार, यह जंगल ओबुलवारीपल्ले मंडल के वाई कोटा क्षेत्र में आता है.

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने घटना पर दुख जताया है. अधिकारियों से फोन पर बात कर घटना की जानकारी ली. अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि जिन लोगों का इलाज चल रहा है, उन्हें बेहतर उपचार मुहैया कराया जाए. डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने वन अधिकारियों को घटना पर विस्तृत रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है.

सुबह-सुबह कांपी धरती : कोलकाता, रांची सहित कई शहरों में भूकंप के झटके, 5.1 रही तीव्रता; मचा हड़कंप

कोलकाता । आरएनएस

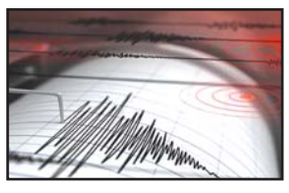

कोलकाता में मंगलवार की सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र बंगाल की खाड़ी और 91 किलोमीटर गहराई में था। कोलकाता के पास भूकंप की पुष्टि नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने की है। भूकंप के झटकों से लोगों में थोड़ी देर के लिए दहशत फैल गई। गनीमत रही कि किसी के भी क्षति या हताहत की तत्काल कोई रिपोर्ट सामने नहीं आई है।

वहीं झारखंड की राजधानी रांची में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसके अलावा ओडिशा में सुबह 6 बजकर 10 मिनट पर कुछ जिलों पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। के झटके विशेष रूप से राज्य की राजधानी भुवनेश्वर, पुरी, पारादीप, बारीपदा, संबलपुर, अनुगुल, केंद्रापड़ा, जगतसिंहपुर और बालेश्वर में महसूस किए गए।

इससे पहले, रविवार को हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। अधिकारियों ने बताया कि जिले के कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए, हालांकि जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, भूकंप सुबह 8 बजकर 42 मिनट पर आया और इसकी तीव्रता 3.7 थी। इसका केंद्र मंडी क्षेत्र में 31.48 डिग्री अक्षांश और 76.95 डिग्री देशांतर पर था। सुंदरनगर क्षेत्र में किआर्गी के पास भूकंप 7 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था। मंडी जिला भूकंपीय क्षेत्र 5 में आता है, जो कि उच्च जोखिम वाला क्षेत्र है।

भारत से भी जल्द वापस भेजे जाएंगे अवैध घुसपैठिए, डेडलाइन तय

नई दिल्ली । आरएनएस

असम के ट्रांजिट कैंपों में हिरासत में लिए गए 270 विदेशी नागरिकों के निर्वासन के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सख्त रुख अपनाया. अदालत ने अपने पहले के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार से जवाब मांगा है. सुनवाई के दौरान, अदालत ने 21 मार्च की डेडलाइन तय करते हुए कहा कि अब और समय नहीं दिया जाएगा.

केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मामले पर विचार-विमर्श जारी रहने और अतिरिक्त समय की आवश्यकता की बात कही. जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुयान की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल की अपील पर सुनवाई स्थगित कर दी. इससे पहले, बेंच ने कहा था कि विदेशियों के निर्वासन के मुद्दे को उच्चतम स्तर पर निपटाया जा रहा है और यदि संभव हो, तो सरकार इस संबंध में आधिकारिक फैसले को रिकॉर्ड में दर्ज करे.

सुप्रीम कोर्ट विदेशियों को निर्वासित करने के बजाय अनिश्चितकाल तक कैद में रखने को लेकर पहले भी असम सरकार को फटकार लगा चुका है. अदालत ने सरकार से सवाल पूछा था कि क्या वह इन लोगों को वापस भेजने के लिए किसी मुहूर्त का इंतजार कर रही है. पीठ ने यह भी कहा था कि असम सरकार तथ्यों को छिपा रही है और हिरासत में लिए गए लोगों के विदेशी होने की पुष्टि होते ही उन्हें तत्काल निर्वासित कर दिया जाना चाहिए.

अदालत ने असम सरकार की इस सफाई पर आश्चर्य जताया था कि वह विदेश मंत्रालय को राष्ट्रीयता सत्यापन फॉर्म इसलिए नहीं भेज रही है, क्योंकि विदेश में बंदियों का पता ज्ञात नहीं है. इस पर अदालत ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा, 'आपने यह कहकर निर्वासन की प्रक्रिया शुरू करने से इनकार कर दिया कि उनके पते ज्ञात नहीं हैं. यह हमारी चिंता क्यों होनी चाहिए? आप उन्हें उनके देश भेज दें. क्या आप किसी मुहूर्त का इंतजार कर रहे हैं?'

शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को अब तक निर्वासित किए गए लोगों का विवरण देने का भी निर्देश दिया है. इसके साथ ही, अदालत ने यह भी स्पष्ट करने को कहा है कि सरकार आगे इस तरह के बंदियों के मामले में कैसे निपटेगी, जिनकी राष्ट्रीयता अज्ञात है.